राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 31 | मुंबई : बुधवार 10 जून 2026 से 16 जून 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

कॉकरोच जनता पार्टी ने शिक्षा मंत्रालय पर आरोप लगाकर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का किया ऐलान...

मुंबई : कॉकरोच जनता पार्टी ने देश में शिक्षा प्रणाली में कथित गड़बड़ियों और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है। इस प्रदर्शन का आरंभ गुरुवार को पुणे के सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी कैंपस से होगा। सीजेपी का कहना है कि यह विरोध शांतिपूर्ण और संविधान के दायरे में रहेगा।

पुणे में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दिपके ने बताया कि क्लाइमेट वर्कर सोनम वांगचुक भी इस आंदोलन में भाग लेंगे। उन्होंने कहा, ''हम आज एसपीपीयू से अपना देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू कर रहे हैं। यह विरोध पूरी तरह शांतिपूर्ण होगा। आज ही हम शिक्षा से जुड़े अपने घोषणापत्र को भी जारी करेंगे।''

इस शिक्षा घोषणापत्र में छात्रों की परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़ी कई प्रमुख समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सीजेपी का कहना है कि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं के परिणाम समय पर न घोषित होना, भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता की कमी, परीक्षा अधिकारियों की जवाबदेही तय न होना और परीक्षा आयोजन में देरी जैसी घटनाओं से छात्रों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अभिजीत दिपके ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सीजेपी का यह आंदोलन देशभर के छात्रों की आवाज बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य यह है कि शिक्षा प्रणाली में सुधार हो और छात्रों के अधिकार सुरक्षित रहें। हमें यह सुनिश्चित करना है कि परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रियाओं में गड़बड़ियों को रोका जाए और जिम्मेदार अधिकारियों को जवाबदेह बनाया जाए।'' सीजेपी का यह विरोध प्रदर्शन केवल पुणे तक ही सीमित नहीं रहेगा। अभिजीत दिपके ने बताया कि एसपीपीयू कैंपस से शुरू होकर यह आंदोलन धीरे-धीरे देश के अन्य विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों तक फैलाया जाएगा।

मुंबई में बीएमसी और रेलवे के बीच 483 करोड़ का विवाद...

15 साल से पानी के कनेक्शन को तरस रहे 25 हजार यात्री

मुंबई : मुंबई में बीएमसी और पश्चिम रेलवे के बीच 145 करोड़ रुपए की पेनल्टी और 338 करोड़ रुपए के वे-लीव शुल्क को लेकर जारी लड़ाई में आम मुंबईकरों पिस रहे हैं। इसी रस्साकशी के चलते दादर मिडटाउन टर्मिनस को पिछले 15 वर्षों से वॉटर कनेक्शन नहीं मिल पाया है और उसकी पूरी पानी की जरूरत टैंकरों से पूरी की जा रही है। इसका प्रभाव रोजाना 20 से 25 हजार यात्रियों के साथ-साथ रेलवे कर्मचारियों और कॉलोनियों में रहने वाले परिवारों पर भी पड़ रहा है, जिन्हें पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता है। सूत्रों के अनुसार, दादर मिडटाउन टर्मिनस को प्रतिदिन लगभग 4.85 लाख लीटर पानी की आवश्यकता होती है, जिसकी पूरी आपूर्ति फिलहाल टैंकरों से की जा रही है। प्रतिदिन आठ लंबी दूरी की ट्रेनों और 20 से 25 हजार यात्रियों की आवाजाही वाले इस टर्मिनस को अब तक स्थायी जल कनेक्शन नहीं मिल सका है। बताया गया है कि विवाद की जड़ 15-16 वर्ष पुराना जल बिल और उस पर लगाई गई 145 करोड़ रुपए की पेनल्टी है।

बताया गया है कि मूल बकाया 245 करोड़ रुपए का भुगतान वर्षों पहले किया जा चुका है, जबकि पिछले 10-12 वर्षों से जल बिल नियमित रूप से चुकाए जा रहे हैं। वर्ष 2024 और 2025 में डीआरएम द्वारा बीएमसी आयुक्त को लिखे गए पत्रों में भी मूल बकाया के भुगतान और केवल दंडात्मक राशि को लेकर विवाद जारी रहने का उल्लेख किया गया है।

प्यार में अंधी पत्नी... ! प्रेमी को 3 लाख की सुपारी देकर रची पति के कत्ल की साजिश

सातारा : महाराष्ट्र के सातारा जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने प्रेम संबंधों में बाधा बन रहे पति को रास्ते से हटाने के लिए प्रेमी और उसके साथियों की मदद से हत्या करवा दी. पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि पत्नी ने ही कॉन्ट्रैक्ट किलर को पति की हर गतिविधि की जानकारी दी थी. मृतक लक्ष्मण मंडले जल संरक्षण विभाग में अभियंता थे और ठाणे जिले में तैनात थे. उनकी 6 जून की सुबह कराड में कार से कुचलकर हत्या कर दी गई थी. मामले की जांच के दौरान पुलिस ने पहले पत्नी सारिका मंडले और उसके भाई को गिरफ्तार किया, जिसके बाद पूरी साजिश का खुलासा हुआ.

क्या है हत्या की वजह?

पुलिस जांच में सामने आया कि सारिका मंडले के 2023 से 25 साल का प्रथमेश थोरात के साथ प्रेम संबंध थे. बताया जा रहा है कि दोनों की मुलाकात एक कपड़े की दुकान में हुई थी, जिसके बाद दोनों की नजदीकियां बढ़ने लगी. जांच के मुताबिक, पति और पत्नी के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था. इसी दौरान सारिका ने अपने प्रेमी प्रथमेश थोरात को पति की हत्या के लिए 3 लाख रुपये की सुपारी दी. प्रथमेश ने अपने साथी आंकाश होनसुरे की मदद से इस वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई.

कैसे दिया वारदात को अंजाम?

पुलिस को मिली जानकारी के मुताबिक, 5 जून की रात लक्ष्मण मंडले ने अपनी पत्नी को बताया था कि वह ठाणे से कराड आ रहे हैं. इसके बाद सारिका लगातार उनसे संपर्क में रही और उनकी लोकेशन तथा गतिविधियों की जानकारी ली. इसके बाद यह सारी जानकारी उसने अपने प्रेमी को दी. जब लक्ष्मण मंडले कोल्हापुर नाका क्षेत्र में उतरकर पैदल घर की ओर जा रहे थे, तभी आरोपियों ने उनका पीछा किया और कार से कुचलकर उनकी हत्या कर दी.

विरार में दर्दनाक हादसा, आरएमसी प्लांट के पास झील में डूबकर युवक की मौत

विरार : महाराष्ट्र के विरार पूर्व स्थित चंदनसर इलाके से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां आरएमसी (रेडी मिक्स कंक्रीट) प्लांट के पास स्थित झील में डूबने से 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार सुबह की बताई जा रही है, जिसने पूरे इलाके में शोक की लहर फैला दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक किसी कारणवश झील के पास पहुंचा था, तभी वह अचानक पानी में गिर गया और गहरे पानी में जाने के कारण बाहर नहीं निकल सका। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज पानी और गहराई के कारण वे सफल नहीं हो सके।

घटना की जानकारी मिलते ही विरार पुलिस और फूलपाड़ा फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। बचाव दल ने बिना समय गंवाए तलाशी अभियान शुरू किया। करीब एक घंटे तक लगातार प्रयास करने के बाद गोताखोरों की मदद से युवक का शव झील से बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान 25 वर्षीय युवक के रूप में हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में यह एक दुर्घटनावश डूबने का मामला माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है।

इस घटना के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जमा हो गई और माहौल गमगीन हो गया। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि झील के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके। फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचने के बाद बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि झील में पानी की गहराई अधिक थी और दृश्यता भी कम थी।

मुंबई में 19 हजार से ज्यादा जन्म प्रमाणपत्रों में किए गए बदलाव होंगे रद्द , सरकार ने क्यों लिया ये फैसला?

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई में साल 2024 से 2026 के बीच जन्म प्रमाणपत्रों में किए गए 19,734 संशोधनों (बदलावों) को रद्द करने का आदेश दिया है. हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि जन्म प्रमाणपत्र रद्द नहीं किए जाएंगे, बल्कि उनमें नियमों के विपरीत किए गए बदलावों को हटाकर मूल रिकॉर्ड बहाल किया जाएगा. स्वास्थ्य सेवा आयुक्तालय, पुणे द्वारा जारी निर्देश में मुंबई के जिला रजिस्ट्रार और संबंधित अधिकारियों को इन मामलों की जांच कर मूल जन्म रिकॉर्ड को बहाल करने के आदेश दिए गए हैं. सरकार का कहना है कि जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 और महाराष्ट्र जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण नियम, 2000 के

तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना बड़ी संख्या में संशोधन किए गए थे.

क्यों लिया गया फैसला

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 19,734 मामलों में से 16,528 मामलों में किसी प्रकार के सहायक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए, जबकि 3,206 मामलों में दस्तावेज अधूरे पाए गए. इसी वजह से इन संशोधनों को निरस्त करने की कार्रवाई शुरू की गई है.

किरीट सोमैया ने उठाया था मुद्दा

यह मामला भाजपा नेता और महाराष्ट्र एसआईआर प्रमुख किरीट सोमैया द्वारा उठाए जाने के बाद चर्चा में आया था. सोमैया ने आरोप लगाया था कि कुछ जन्म प्रमाणपत्र ऐसे अस्पतालों के नाम पर जारी किए गए, जिनका अस्तित्व ही नहीं है. उन्होंने यह भी दावा किया था कि फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों का दुरुपयोग कर अवैध रूप से पहचान संबंधी दस्तावेज हासिल किए जा सकते हैं.

एसआईटी कर रही जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई में फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों से जुड़े कुछ मामलों की जांच अपराध शाखा की विशेष जांच टीम (एसआईटी) को सौंपी गई है. बीएमसी के दो पूर्व स्वास्थ्य अधिकारियों पर बिना उचित सत्यापन के कुछ जन्म पंजीकरणों को मंजूरी देने के आरोप भी लगाए गए हैं. वहीं मेयर रितु तावड़े ने इस साल जनवरी में एक समीक्षा बैठक के बाद कहा था कि बांग्लादेशी नागरिकों को 267 फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए थे.

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने के 9 यूनिट के तीन नए कुत्तों को किया शामिल

नवी मुंबई : इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है। इसके लिए फोर्स ने अपनी विशेष के9 यूनिट में तीन अत्यंत प्रशिक्षित कुत्तों को शामिल किया है। बुधवार को एयरपोर्ट पर आयोजित एक समारोह में इन तीन नर कुत्तों का सी आई एस एफ में औपचारिक स्वागत किया गया। नए शामिल किए गए कुत्तों का नाम स्काउट, टाइगर और बोल्ट रखा गया है। इस अवसर पर उन्हें ट्रेनी से फोर्स के आधिकारिक सदस्य बनने का दर्जा दिया गया। स्वागत समारोह में केक काटने की परंपरा निभाई गई और इसके बाद तीनों कुत्तों ने लाइव डेमो के माध्यम से अपनी विशेष

क्षमताओं का प्रदर्शन किया। डेमो में उनके अनुशासन, फुर्ती, और ऑपरेशनल क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया, जिससे यह साबित हुआ कि वे एयरपोर्ट की सुरक्षा से जुड़ी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सी आई एस एफ के अधिकारी बताते हैं कि के9 यूनिट का काम सिर्फ सुरक्षा में सहायता करना ही नहीं है, बल्कि एयरपोर्ट पर संदिग्ध वस्तुओं और खतरनाक पदार्थों की पहचान करना भी है।

भिवंडी: 62 वर्षीय के कारोबारी को फेसबुक पर आई फ्रेंड रिक्वेस्ट और फिर हो गई 15 लाख की ठगी

भिवंडी : महाराष्ट्र के भिवंडी में 62 वर्षीय कारोबारी को फेसबुक के जरिए क्रिप्टोकरेंसी निवेश का झांसा देकर करीब 15 लाख रुपये की ठगी का शिकार बनाया गया. कारोबारी को एक अज्ञात व्यक्ति की फेसबुक फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी, जिसे स्वीकार करने के बाद दोनों के बीच नियमित बातचीत शुरू हुई. आरोपी ने खुद को निवेश विशेषज्ञ बताते हुए एक कथित क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म की जानकारी दी और अधिक मुनाफे का लालच दिया. ठग ने कारोबारी को एक लिंक भेजकर ऐप डाउनलोड करवाया और उसके जरिए निवेश करने के लिए प्रेरित किया.

दोस्त बन की 15 लाख की ठगी

शुरूआत में कारोबारी ने 13 हजार रुपये निवेश किया, जिसके बदले ऐप पर उसे 25 हजार रुपये का मुनाफा दिखाया गया. शुरूआती लाभ देखकर कारोबारी का भरोसा बढ़ गया और उसने अलग-अलग बैंक खातों में ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए करीब 15 लाख रुपये निवेश कर दिए. जब कारोबारी ने अपनी रकम निकालने की कोशिश की तो उसकी सभी रिक्वेस्ट खारिज कर दी गईं. आरोपियों ने निवेश की गई रकम और कथित मुनाफा जारी करने के लिए 28 लाख रुपये अतिरिक्त कमीशन की मांग की.

पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

खुद के साथ धोखाधड़ी होने का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 तथा आईटी एक्ट की धारा 66उ और 66ऊके तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

मुंब्रा में इंसानियत शर्मसार! कुत्ते के मुंह में मिला नवजात का शव, इलाके में सनसनी...

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे से सटे मुंब्रा इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक नवजात शिशु का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. हैरानी की बात यह है कि एक कुत्ता नवजात के शव को मुंह में दबाकर इलाके में घूमता हुआ दिखाई दिया. यह दृश्य देखकर स्थानीय लोगों के रोंगटे खड़े हो गए. प्राथमिक जानकारी के अनुसार, मृत नवजात की उम्र लगभग 7 से 8 माह बताई जा रही है. घटना की सूचना मिलते ही मुंब्रा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी.सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह मासूम किसका है? और किसने इतनी बेरहमी दिखाई कि एक नवजात का शव इस हालत में मिला? शव को कुत्तों द्वारा

नोचे जाने की आशंका ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है.

नवजात का शव मुंह में दबाकर दौड़ता दिखा कुत्ता

जानकारी के मुताबिक, मुंब्रा बायपास से सटी जास्मिन चॉल के पास शाम करीब साढ़े सात बजे एक कुत्ता नवजात का शव मुंह में दबाकर दौड़ता हुआ दिखाई दिया. जैसे ही लोगों की नजर कुत्ते के मुंह में लटक रहे मासूम के शव पर पड़ी, इलाके में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय नागरिकों ने किसी तरह कुत्ते से शव छुड़ाया और तत्काल पुलिस को सूचना दी. घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं. कुछ लोगों का कहना है कि किसी ने नवजात का शव यहां लाकर फेंक दिया था, जिसे बाद में कुत्ते उठा ले गए. वहीं, कुछ लोगों का मानना है कि कुत्ता शव को किसी अन्य स्थान से उठाकर यहां तक लेकर आया था.

पुलिस ने शुरू की जांच

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही इस रहस्यमयी घटना का सच सामने आ सकेगा कि मासूम का शव यहां फेंका गया था या फिर कहीं और से लाया गया था.

मुंबई के परिवार की लंदन अपार्टमेंट से गिरकर मौत, 9 साल का बेटा भी शामिल

मुंबई : लंदन में एक लक्जरी आवासीय टावर की 36वीं मंजिल से गिरकर एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में पति राकेश पई (47), पत्नी अदिति पारलकर (46) और उनका नौ वर्षीय बेटा सिड शामिल हैं। पुलिस ने इस मामले में हत्या-आत्महत्या की आशंका जताई है। जानकारी के अनुसार, राकेश और अदिति भारतीय मूल के थे और मूल रूप से मुंबई के रहने वाले थे। उनका बेटा सिड भी भारतीय मूल का था। राकेश, जिन्हें रॉबिन के नाम से भी जाना जाता है, कथित तौर पर वित्त क्षेत्र में काम करते थे, जबकि अदिति ने निर्माण उद्योग में कई वरिष्ठ भूमिकाएँ निभाई थीं। परिवार 2000 के दशक में मुंबई से लंदन स्थानांतरित हुआ था।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, यह घटना कथित तौर पर तब हुई जब दंपति ने अपने बेटे की असाध्य बीमारी के इलाज को लेकर गंभीर चिंताओं का सामना किया। सूत्रों ने बताया कि डॉक्टरों ने बताया था कि उनके बेटे के इलाज के लिए और कोई विकल्प नहीं बचा है। इस सूचना के बाद परिवार ने कथित रूप

से यह निंदनीय कदम उठाया। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि घटना केवल दुर्घटना नहीं थी। पुलिस अधिकारी बता रहे हैं कि हालात, घर के अंदर पाए गए सबूत और परिवार के पत्रों की समीक्षा के बाद हत्या-आत्महत्या की संभावना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

स्थानीय पड़ोसियों और टावर में रहने वालों ने बताया कि परिवार बेहद शांत और सम्मानित था। कोई भी इस तरह की घटना की कल्पना नहीं कर सकता था। पड़ोसियों ने कहा कि राकेश और अदिति अपने बेटे के इलाज के लिए हमेशा चिंतित रहते थे और वे उसकी सेहत को लेकर बेहद संवेदनशील थे। सूत्रों के अनुसार, राकेश और अदिति ने अपने बेटे की बीमारी के चलते मानसिक तनाव का सामना किया। इसके साथ ही उनके परिवार और दोस्तों के साथ संपर्क में आए पत्रों और संदेशों की समीक्षा की जा रही है। पुलिस इस मामले में सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और आवश्यक कार्रवाई कर रही है। लंदन पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि घटना से जुड़े किसी भी जानकारी को साझा करें। पुलिस ने यह भी कहा कि मामले की पूरी तरह से निष्पक्ष जांच की जाएगी, जिससे वास्तविक कारणों का पता चल सके और किसी भी तरह की गलतफहमी को रोका जा सके। इस घटना ने समुदाय और भारतीय डायस्पोरा में भी शोक और चिंता पैदा कर दी है। लंदन में भारतीय समुदाय के नेताओं ने भी परिवार के निधन पर दुख व्यक्त किया और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

नासिक TCS धर्मांतरण के तार मलेशिया से जुड़े

एकनाथ शिंदे सेना के नेता संजय निरुपम का बड़ा खुलासा

मुंबई: शिवसेना के उपनेता एवं प्रवक्ता संजय निरुपम ने दावा किया है कि नासिक की टीसीएस कंपनी में एक हिंदू महिला कर्मचारी के कथित धर्मांतरण, यौन और आर्थिक शोषण के मामले के पीछे मलेशिया और पाकिस्तान से जुड़ा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क सक्रिय है। उन्होंने कहा कि अदालत में दाखिल आरोपपत्र में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। सोमवार को मंत्रालय के करीब शिंदे सेना के पार्टी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर पूर्व सांसद निरुपम ने कहा कि पीड़िता का ब्रेनवॉश करने के लिए उसे ज़ाकिर नाईक के वीडियो दिखाए गए। इसका उल्लेख आरोपपत्र में भी किया गया है। निरुपम ने कहा कि मुख्य आरोपियों के मलेशिया से संबंध थे और पीड़िता को वहां भेजने की योजना बनाई जा

रही थी। उन्होंने जांच एजेंसियों से यह पता लगाने की मांग की कि क्या इस मामले का संबंध झाकिर नाईक या उसके नेटवर्क से है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि फरार आरोपी निदा खान को छिपाने के मामले में कुछ स्थानीय राजनीतिक नेताओं के नाम सामने आए हैं। निरुपम ने कहा कि मामले में एमआईएमआईएम के कुछ नेताओं की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने मांग की कि कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े पीओएसएच कानून का सही तरीके से पालन नहीं करने के लिए TCS की जिम्मेदारी भी तय की जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए। नासिक के टीसीएस धर्मांतरण मामले जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए महाराष्ट्र की आईटी, फार्मा और अन्य मल्टीनेशनल कंपनियों में महिला कर्मचारी सुरक्षित माहौल में काम कर रही हैं या नहीं, इसकी जांच राज्य सरकार और पुलिस को करनी चाहिए।

छगन भुजबल का पत्ता कटा

राजेंद्र जैन ने किया नॉमिनेशन, NCP कोर कमेटी की बैठक में भड़के, 'मैं कबड्डी का खिलाड़ी हूं, शतरंज का नहीं'

मुंबईः उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के इस्तीफे के कारण खाली हुई राज्यसभा सीट से एनसीपी ने पूर्व एमएलसी राजेंद्र जैन को उम्मीदवार बनाया है। सोमवार को एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, सुनील तटकरे , बीजेपी के आशीष शेलार सहित महायुति के नेताओं की मौजूदगी में सोमवार को राजेंद्र जैन ने विधान भवन में नामांकन दाखिल किया। वहीं नामांकन के आखिरी दिन 8 जून को विपक्षी महाविकास अघाड़ी ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारा। इससे राजेंद्र जैन का निर्विरोध राज्यसभा सदस्य चुना जाना तय हो गया है। हालांकि केंद्रीय चुनाव आयोग इसकी आधिकारिक घोषणा 18 जून को करेगा। वहीं मंत्री छगन भुजबल को जोर का झटका देते हुए उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने उनके दिल्ली जाने और बेटे समीर भुजबल को राज्य में मंत्री बनाये जाने की योजना पर विराम लगा दिया है। दरअसल सुनेत्रा पवार 21

जून 2024 को महाराष्ट्र से राज्यसभा सदस्य बनी थीं। उनका राज्यसभा कार्यकाल मूल रूप से 4 जुलाई 2028 तक था। लेकिन जनवरी में महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने 26 मई 2026 को राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था। इस तरह राजेंद्र जैन का राज्यसभा कार्यकाल 4 जुलाई 2028 तक रहेगा।

रविवार देर रात एनसीपी की कोर कमेटी की बैठक उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के बंगले देवगिरि में हुई।

एनडीए बैठक से पहले प्रफुल्ल पटेल ने सुनेत्रा पवार से की मुलाकात...

मुंबईः महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार से उनके सरकारी बंगले देवगिरी पर पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने मंगलवार को मुलाकात की। बुधवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बुलाई गई एनडीए गठबंधन की बैठक को लेकर दोनों नेताओं में चर्चा हुई। एनडीए गठबंधन की बैठक में शामिल होने से पहले सुनेत्रा और प्रफुल्ल पटेल की इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है। एनसीपी (एपी) ने अपना स्थापना दिवस समारोह भी एक दिन के लिए टाल दिया है। अब राकांपा का 27वीं सालगिरह बुधवार की बजाए गुरुवार को माटुंगा के षण्मुखानंद हाल में मनाई जाएगी। बताया गया कि सुनेत्रा पवार और प्रफुल्ल पटेल की मुलाकात में राज्य और केंद्र में कैबिनेट विस्तार के संबंध में चर्चा हुई।

राज्य में एनसीपी (एपी) के हिस्से का एक मंत्री पद खाली है और केंद्र में भी पार्टी के हिस्से का एक मंत्री पद खाली है। इस पर भी एनसीपी दिल्ली में होने वाली बैठक में अपना दावा पेश कर सकती है। एनसीपी नेता कैबिनेट विस्तार में अपने कोटे का मंत्री पद देने की जोरदार मांग कर सकते हैं।

सुनेत्रा पवार की रिक्त हुई राज्यसभा सीट के उपचुनाव में राजेंद्र जैन को उम्मीदवारी दी गई है। लेकिन मंत्री छगन भुजबल टिकट न मिलने से नाराज हैं। भुजबल ने राज्यसभा जाने के लिए अपने भतीजे समीर भुजबल को राज्य में मंत्री पद देने की शर्त रखी थी। पार्टी में कुछ नेताओं में असंतोष का माहौल है। पार्टी एमएलसी इदरीस नाइकवाड़ी को पार्थ पवार ने इस्तीफा देने कहा था। नाइकवाड़ी ने इस्तीफा देने से मना कर दिया था। नाइकवाडी सुनेत्रा पवार से मिलने पहुंचे थे। अन्न व औषधि मंत्री नरहरि झिरवल भी सुनेत्रा से मिलने देवगिरी बंगले पहुंचे थे। मंत्रालय स्थित झिरवल के कार्यालय में क्लर्क राजेंद्र ढेरंगे को एसीबी ने फरवरी महीने में 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। इससे झिरवल विवादों में हैं।

अटल सेतु से छलांग लगाने वाला युवक अब तक लापता, 3 दिन बाद भी नहीं मिला कोई सुराग

नवी मुंबई : अटल सेतु से समुद्र में छलांग लगाने वाले एक युवक का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है. नवी मुंबई के अटल सेतु पुल से रविवार (7 जून) देर रात एक युवक ने समुद्र में छलांग लगा दी थी. पुणे जिले के शिरूर तालुका का रहने वाले युवक की पहचान प्रतीक सुभाष रासकर के रूप में हुई है, जिसकी उम्र करीब 28 साल है. प्रतीक शेयर मार्केट से जुड़े प्रशिक्षण और क्लासेस का काम करता था. घटना से पहले उसने परिवार को बताया था कि वह बाहर खाना खाने जा रहा है. इसके बाद वह अपनी कार लेकर अटल सेतु पहुंचा और समुद्र में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस और बचाव दल लगातार उसकी तलाश में जुटे हैं, लेकिन अभी तक उसका शव बरामद नहीं हो सका है.

आखिर क्या हुआ उस रात?

जानकारी के मुताबिक, 7 जून की रात प्रतीक अपनी कार से अटल सेतु पहुंचा. बताया जा रहा है कि रात करीब 1:29 बजे उसने पुल से समुद्र में छलांग लगा दी. घटना के पीछे की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है. पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया.

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

घटना की जानकारी मिलते ही उलवे पुलिस ने तुरंत समुद्र में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया. दिनभर चले अभियान के बावजूद युवक का कोई पता नहीं चल सका. परिवार में चिंता का माहौल है और परिजन लगातार उसकी तलाश की जानकारी ले रहे हैं. पुलिस ने प्रतीक का हुलिया भी जारी किया है. उसका रंग गोरा, कद लगभग 5 फीट 10 इंच, शरीर मजबूत, बाल काले और आंखें काली और थोड़ी बढ़ी हुई दाढ़ी-मूंछ है. घटना के समय उसने सफेद रंग की शर्ट और ग्रे रंग की पैंट पहन रखी थी. साथ ही पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को उसके बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत उलवे पुलिस स्टेशन से संपर्क करें.

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

प्राथमिकता ऋण ढांचे की हो समीक्षा...

प्राथमिकता क्षेत्र का ऋण (पीएसएल) लंबे समय तक भारत के वित्तीय समावेशन के प्रमुख उपायों में से एक था। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) द्वारा जारी एक कार्यपत्र ने इस बात का मूल्यांकन किया कि क्या निर्देशित ऋण अब भी सार्थक विकासात्मक परिणाम देता है।

साल 2020 से 2025 के बीच जिला-स्तरीय त्रैमासिक आंकड़ों पर आधारित इस अध्ययन ने प्राथमिकता ऋण प्रवाह में तीव्र क्षेत्रीय असंतुलन की ओर संकेत किया। यह अध्ययन अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के 95 फीसदी से अधिक ऋण को कवर करता है। इसके मुताबिक 10 फीसदी से कम जिलों ने सभी प्राथमिकता क्षेत्र ऋणों का 45 फीसदी से अधिक हिस्सा प्राप्त किया। ऋण अपेक्षाकृत विकसित राज्यों और शहरीकृत जिलों में अत्यधिक केंद्रित रहा जबकि पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर और हिमालयी क्षेत्रों के बड़े हिस्से अब भी कम सेवा वाले बने हुए हैं। अध्ययन ने यह भी पाया कि जिन जिलों में पहले से पीएसएल की पहुंच सबसे कम है वहां अतिरिक्त ऋण का आर्थिक प्रभाव सबसे कमजोर रहा। दूसरे शब्दों में पिछड़े क्षेत्रों में केवल अधिक ऋण पहुंचाना अपने आप विकास उत्पन्न नहीं करता है जब तक कि वहां अधोसंरचना, संचार और प्रशासनिक क्षमता मजबूत न हो। अध्ययन के निष्कर्षों ने पीएसएल की आपूर्ति में महत्त्वपूर्ण संस्थागत अंतर भी उजागर किए। लघु वित्त बैंकों ने अध्ययन अवधि के दौरान औसतन अपने समायोजित शुद्ध बैंक ऋण (एएनबीसी) का 100 फीसदी सीधे प्राथमिकता क्षेत्रों को दिया जबकि भारतीय स्टेट बैंक की पीएसएल में प्रत्यक्ष हिस्सेदारी लगभग 26.5 फीसदी रही और उसने प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाणपत्र (पीएसएलसी) जैसे अप्रत्यक्ष साधनों पर अधिक भरोसा किया। जो बैंक लक्ष्य से पीछे रहे उन्होंने नाबार्ड के ग्रामीण अधोसंरचना विकास कोष (आरआईडीएफ) में धन लगाया जो आवश्यक अधोसंरचना को सहारा देता है। राष्ट्रीयकृत बैंकों ने सीधे पीएसएल लक्ष्यों को पार किया जबकि निजी बैंक बाजार आधारित अनुपालन तंत्रों पर अधिक निर्भर रहे। ये तथ्य नए नहीं हैं। वर्ष 1991 की नरसिंहम समिति से ही बैंकिंग सुधार पैनल बार-बार तर्क देते रहे हैं कि कठोर निर्देशित-ऋण आदेश ऋण आवंटन को विकृत करते हैं, लाभप्रदता को कमजोर करते हैं और बैंकों को राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों का बोझ डाल देते हैं जहां अक्सर देनदारी में चूक का जोखिम अधिक होता है।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : डीसिल्टिंग ड्राइव में तेजी, कई वार्डों ने 100% से अधिक प्रगति हासिल की...

मुंबई : सालाना डीसिल्टिंग ड्राइव के तहत पूरे शहर में नालों और नदियों की सफाई में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। ग्रेटर मुंबई रीजन की डेली प्रोग्रेस रिपोर्ट के अनुसार, 10 जून, 2026 तक छोटे नालों, बड़े नालों और मीठी नदियों की सफाई का काम अधिकांश वार्डों में तय टारगेट से अधिक पूरा हो गया है। रिपोर्ट से यह स्पष्ट हुआ कि छोटे नालों की डीसिल्टिंग में कुल प्रगति 114.85 प्रतिशत रही। कई वार्डों ने 100 प्रतिशत से भी अधिक काम पूरा करने की जानकारी दी। सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले वार्डों मेंआर नॉर्थ 145.68 प्रतिशत, एच ईस्ट 145.10 प्रतिशत, पी साउथ 138.21 प्रतिशत, आर सेंट्रल 137.71 प्रतिशत और जी साउथ 135.05 प्रतिशत शामिल हैं। इसके अलावा डी वार्ड ने 133.35 प्रतिशत और पी नॉर्थ ने 133.78 प्रतिशत प्रगति हासिल की।

हालांकि, कुछ वार्ड अब भी अपने डीसिल्टिंग कार्य को पूरा करने में जुटे हैं। एल वार्ड में 87.92 प्रतिशत, एम ईस्ट में 96.22 प्रतिशत और टी वार्ड में 96.41 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई। एस वार्ड में सबसे कम 16.94 प्रतिशत प्रगति हुई, जिससे यह साफ दिखता है कि इस वार्ड में अभी काफी काम बाकी है। वार्ड स्तर पर यह अंतर मुख्य रूप से कर्मचारियों की संख्या, उपकरणों की उपलब्धता और स्थानीय प्रशासन की निगरानी पर निर्भर करता है। अधिकारियों ने कहा कि मॉनसून सीजन से पहले नालों और नदियों की सफाई का काम समय पर पूरा करना बेहद महत्वपूर्ण है ताकि बारिश के दौरान जलभराव और फ्लड जैसी समस्याओं से बचा जा सके।

डीसिल्टिंग ड्राइव का उद्देश्य शहर के जल निकासी तंत्र को बेहतर बनाना और मॉनसून में संभावित जलजमाव को रोकना है। यह अभियान मुंबई नगर निगम और वार्ड ऑफिसेज की संयुक्त कोशिशों से चलाया जा रहा है। अधिकारी बताते हैं कि पूरे शहर में सफाई और डीसिल्टिंग की निगरानी नियमित रूप से की जा रही है, जिससे कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। विशेषज्ञों के अनुसार, इस वर्ष डीसिल्टिंग ड्राइव में उच्च प्रगति को देखकर यह उम्मीद की जा सकती है कि मॉनसून के दौरान मुंबई में जलभराव की समस्या पिछले साल की तुलना में कम होगी। कई वार्डों ने पारंपरिक नालों और नई जल निकासी प्रणाली दोनों को साफ करने पर ध्यान केंद्रित किया।

स्थानीय लोगों ने भी अभियान की सराहना की और कहा कि नालों और नदियों की सफाई से मोहल्लों में पानी का बहाव बेहतर हुआ है और गंदगी की समस्या कम हुई है। अधिकारी लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे नालों और नदियों में कचरा फेंकने से बचें ताकि सफाई और डीसिल्टिंग का प्रभाव लंबे समय तक बना रहे। मुंबई की डीसिल्टिंग ड्राइव में लगातार सुधार

मानसून में सड़कों पर बने गड्ढे भरने पर खर्च होंगे 60 करोड़

मुंबई : मानसून के दौरान सड़कों पर बनने वाले गड्ढों की समस्या से निपटने के लिए बीएमसी ने 60.11 करोड़ रुपये खर्च करने का फैसला किया है। शहर के विभिन्न परिमंडलों तथा पूर्व और पश्चिमी द्रुतगति मार्गों पर गड्ढे भरने के लिए 16 प्रस्ताव शुक्रवार को होने वाली स्थायी समिति की बैठक में मंजूरी के लिए रखा गया है।

मुंबई में हर साल मानसून से पहले बारिश के दौरान और उसके बाद सड़कों पर बड़ी संख्या में गड्ढे बन जाते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। इसी को देखते हुए बीएमसी ने व्यापक स्तर पर गड्ढों की मरम्मत का कार्यक्रम तैयार किया है। बीएमसी प्रस्ताव के अनुसार, पूर्वी द्रुतगति मार्ग (ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे) पर गड्ढे भरने के लिए 19.17 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जबकि पश्चिमी द्रुतगति मार्ग (वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे) पर गड्ढों की मरम्मत के लिए 18.88 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार दोनों प्रमुख मार्गों पर कुल 38.05 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा शहर के परिमंडल 1 से 7 के अंतर्गत आने वाली 9 मीटर से कम और 9 मीटर से अधिक चौड़ाई वाली सड़कों पर गड्ढे भरने के लिए 22.05 करोड़ रुपये के 14 अलग-अलग प्रस्ताव पेश किए जाएंगे। बीएमसी के प्रस्ताव के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में गड्ढे भरने का कार्य अलग-अलग ठेकेदार कंपनियों को सौंपा जाएगा। परिमंडल-3 के एच/पूर्व, एच/पश्चिम और के/पूर्व वार्डों में 2.70 करोड़ रुपये का काम भारत कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया जाएगा। वहीं परिमंडल-7 के आर/दक्षिण, आर/मध्य और आर/उत्तर वार्डों में 2.36 करोड़ रुपये का कार्य विकास इंटरप्राइजेस को सौंपा जाएगा।

एयरपोर्ट पर 10 करोड़ की ड्रग्स बरामद...
दो श्रीलंकाई नागरिक गिरफ्तार

मुंबई : छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में करीब 10 करोड़ रुपये मूल्य की हाइड्रोपोनिक वीड (कैनबिस) बरामद की गई है और दो श्रीलंकाई नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद इरशाद (30) और मोहम्मद फाज़िल (32) के रूप में हुई है। दोनों को बैंकॉक से मुंबई पहुंचे एक अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ान के बाद एयरपोर्ट पर पकड़ा गया।

कस्टम सूत्रों के अनुसार, एयर इंटेलिजेंस यूनिट को पहले से ही इस तस्करी की सूचना मिली थी। इसी खुफिया जानकारी के आधार पर मंगलवार सुबह बैंकॉक से मुंबई पहुंचे यात्रियों पर निगरानी रखी गई। जांच के दौरान संदिग्ध यात्री मोहम्मद इरशाद को रोका गया और उसके सामान की गहन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके ट्रॉली बैग से तीन सीलबंद डबल-लेयर पारदर्शी पैकेट बरामद हुए। इन पैकेटों में पौधे के फूल और पत्तियों जैसे हिस्से मौजूद थे, जिन्हें जांच में हाइड्रोपोनिक वीड (कैनबिस) पाया गया। यह उच्च गुणवत्ता वाली नशीली ड्रग मानी जाती है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत काफी अधिक होती है।

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि यह खेप बैंकॉक से भारत में अवैध रूप से लाने की कोशिश की जा रही थी और इसके पीछे एक संगठित अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क के शामिल होने की आशंका है। कस्टम अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और इस पूरे नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। यह भी जांच की जा रही है कि भारत में इस ड्रग्स की सप्लाई किन-किन जगहों पर की जानी थी और इसके स्थानीय संपर्क कौन थे। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई एयरपोर्ट सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों की सतर्कता का परिणाम है। इस तरह की तस्करी को रोकने के लिए एयरपोर्ट पर निगरानी और सख्त की गई है।

शिवसेना (यूबीटी) ने पश्चिम बंगाल में महाराष्ट्र जैसे दलबदल दोहराए जाने का आरोप लगाया

मुंबई : शिवसेना (यूबीटी) ने बुधवार को कहा कि चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इसे ऐसा समय बताया गया है जिसमें लोकतांत्रिक नियमों को मजबूत करने के बजाय ''दलबदलुओं और धोखेबाजों'' को ''बागी'' के तौर पर पेश किया जा रहा है। अपने मुखपत्र सामना के एक संपादकीय में, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट ने आरोप लगाया कि स्पीकर, चुनाव आयोग और यहां तक कि न्यायपालिका सहित संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल राजनीतिक दलबदल को आसान बनाने के लिए किया जा रहा है।

महाराष्ट्र के साथ तुलना करते हुए, संपादकीय में दावा किया गया कि हाल के विधानसभा चुनावों के बाद पश्चिम बंगाल में भी ऐसी ही स्थिति बन रही है। इसमें कहा गया कि टीएमसी सांसदों का एक बड़ा गुट भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन करने के लिए अलग हो गया है, जिससे राजनीतिक नैतिकता और केंद्रीय मशीनरी के कथित दुरुपयोग को लेकर तीखी आलोचना हो रही है। इसमें आरोप लगाया गया कि पश्चिम बंगाल में जो कहानी सामने आ रही है, वह पिछले राजनीतिक बदलावों जैसी ही है, बस किरदारों के नाम बदल गए हैं।

एडिटोरियल में कहा गया, ''महाराष्ट्र की 'वॉशिंग मशीन' उठाकर पश्चिम बंगाल ले आई गई, और तृणमूल के सभी भ्रष्ट सदस्यों को उसमें

डाल दिया गया। विधानसभा चुनाव के नतीजों को मुश्किल से एक महीना हुआ है, और ऐसा लग रहा है कि पूरी तृणमूल कांग्रेस पहले हीबीजेपी में मिल रही है।'' बीजेपी पर राजनीतिक मौकापरस्ती का आरोप लगाए हुए, इसमें कहा गया कि चुनाव प्रचार के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने टीएमसी सरकार को भ्रष्ट, हिंदू विरोधी और अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों का रक्षक बताया था, और सत्ता में आने पर इन लोगों को खत्म करने का वादा किया था।

हालांकि, चुनाव के बाद, ठाकरे कैंप ने दावा किया कि बीजेपी ने उन्हीं ''भ्रष्ट'' और ''बांग्लादेशियों का समर्थन करने वाले'' टीएमसी नेताओं को आसानी से अपने पाले में शामिल कर लिया है। ''तृणमूल कांग्रेस को तोड़ने के लिए आतंक, धमकी, पैसा और जांच एजेंसियों को हथियार बनाया गया। लोकल तृणमूल नेताओं पर हमला किया जा रहा है और उन्हें सबके सामने बेइज्जत किया जा रहा है। विरोधियों के साथ यह कैसा बर्ताव है? प्रधानमंत्री मोदी को इसका जवाब देना चाहिए। अगर हम मोदी, शाह और सुवेंदु अधिकारी के इस दावे पर यकीन करें कि जनता ने ममता के भ्रष्ट शासन के खिलाफ गुस्सा दिखाया, तो यह तिकड़ी उसी भ्रष्टाचार का गोबर अपने शरीर पर मलकर क्यों घूम रही है?'' ठाकरे कैंप ने पूछा।

हालात का अंदाजा लगाते हुए, एडिटोरियल में कहा गया, ''बीजेपी की पॉलिटिक्स में पावर और कुर्सियों के अलावा कुछ भी मायने नहीं रखता। उन्हें भ्रष्टाचार से लड़ने से कोई लेना-देना नहीं है; भ्रष्ट तरीकों से कमाया गया पैसा उनका भगवान बन गया है। एक बार जब भ्रष्ट लोग अपनी संपत्ति के साथ बीजेपी में शामिल हो जाते हैं, तो उनके खिलाफ सभी जांच गायब हो जाती हैं।'' उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने कहा कि दशकों के संघर्ष से बनी तृणमूल कांग्रेस को चांदी की थाली में परोसकर दलबदलुओं को सौंपा जा रहा है, जबकि मौकापरस्त नेताओं के जाने से देश को नए, स्वाभिमानी नेतृत्व के साथ खुद को फिर से बनाने का मौका मिलता है। इसमें आगे कहा गया, ''मोदी की तपस्या ने देश के गद्दारों को 'बागी' बना दिया है। क्या कमाल है! हालांकि, देश इस गिरावट से एक बार फिर उठ खड़ा होगा।

मुंबई - अहमदाबाद के सरकारी दफ्तरों को बम धमकी...

मुंबई : मुंबई में बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, मेयर के ऑफिस और अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हेडक्वार्टर समेत कई म्युनिसिपल ऑफिस में बुधवार को कड़ी सिक्योरिटी कर दी गई। बम की धमकियों की एक के बाद एक मिली धमकियों के बाद ऐसा किया गया। मुंबई पुलिस के मुताबिक, बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफिस को मिली धमकी के साथ-साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज बिल्डिंग को उड़ाने की भी धमकी मिली थी। मुंबई मेयर के ऑफिस में बम की धमकी मिलने के बाद, मुंबई पुलिस के जवानों ने डॉग स्क्वॉड के साथ बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफिस की तलाशी ली और उसे सुरक्षित किया।इस बीच, अहमदाबाद में अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हेडक्वार्टर में बम की धमकी मिलने के बाद, गुजरात पुलिस, फायर ब्रिगेड के जवान और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमें मौके पर पहुंचीं और बड़े पैमाने पर चेकिंग शुरू की।

इससे पहले मार्च में, मुंबई में तीन जगहों पर ईमेल से बम की धमकी मिलने के बाद दहशत फैल गई थी, जिसके बाद तलाशी ली गई और लोगों को निकाला गया। अधिकारियों ने बताया कि बम डिस्पोजल स्क्वॉड टीम समेत पुलिस मौके पर मौजूद थी। मुंबई पुलिस के मुताबिक, आज सुबह बीएसई,, विधान भवन और हाई कोर्ट को धमकी भरे मेल मिले थे।8 मार्च को, मुंबई के एक हॉस्पिटल को भी ईमेल से बम की धमकी मिली थी, जिसमें दावा किया गया था कि हॉस्पिटल में ''एलईडी ब्लास्ट'' किया जाएगा। ईमेल से मरीजों और स्टाफ में काफी डर फैल गया। जवाब में, मुंबई पुलिस के बम डिटेक्शन और डिस्पोजल स्क्वॉड ने हॉस्पिटल की अच्छी तरह से जांच की।

मुंबई : सोने ने फिर पकड़ी रफ्तार भाव 1.60 लाख के पार...

मुंबई : राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमतों में 1,500 रुपये का बड़ा उछाल आया। कमजोर अमेरिकी डॉलर और सराफा बाजार में बेहतर धारणा के कारण ऐसा हुआ। इस वृद्धि के साथ 10 ग्राम सोने का भाव फिर से 1.60 लाख रुपये के स्तर को पार कर गया। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाली पीली धातु 1,60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। यह भाव सोमवार के बंद स्तर 1,58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से अधिक है। वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतें कम होने के बावजूद घरेलू बाजार में यह सुधार देखा गया। विश्लेषकों ने घरेलू कीमतों में वृद्धि का कारण कमजोर अमेरिकी डॉलर और निवेशकों की नई रुचि को बताया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने भी सोने को समर्थन दिया।

चंद्रपुर : महिला को परेशान करना पड़ा भारी :

युवक की हत्या कर शव डैम किनारे नाले में फेंका, 3 आरोपी गिरफ्तार...

चंद्रपुर: एक महिला रिश्तेदार को कथित रूप से परेशान करने से नाराज युवक ने अपने दो साथियों की मदद से संबंधित युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। यह सनसनीखेज घटना यवतमाल जिले के मारेगांव तहसील के गोरज शिवार स्थित मारडा डैम क्षेत्र में सामने आई है। घटना के बाद चंद्रपुर जिले के वरोरा तालुका सहित आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान विनोद सहारे (42), निवासी सिंदेवाही के रूप में हुई है। जबकि पुलिस ने इस मामले में शंतनू प्रवीण झाडे (18), निवासी नागरी, तहसील वरोरा, प्रवीण वरघणे (35) और राजू ढंगले (35), निवासी दांडगांव को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, वरोरा तहसील के नागरी गांव में शंतनू झाडे के यहां उनकी एक महिला रिश्तेदार रहने आई थी। इसी दौरान नागरी में काम करने वाले विनोद सहारे की उस महिला से पहचान हुई।

वरोरा स्टेशन से कीया अगवा

आरोप है कि बाद में विनोद उसे लगातार परेशान करने लगा। महिला ने इसकी जानकारी शंतनू को दी। इसके बाद शंतनू ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर विनोद की हत्या की साजिश रची। योजना के तहत आरोपियों ने विनोद को वरोरा रेलवे स्टेशन से अपने साथ ले जाकर शराब पिलाई और उसे बेसुध कर दिया। बाद में उसे गोरज शिवार स्थित मारडा डैम क्षेत्र में ले जाया गया, जहां उस पर जानलेवा हमला कर उसकी हत्या कर दी गई।

शव को डैम के पास नाले में फेंका

हत्या के बाद आरोपियों ने सबूत मिटाने और किसी प्रकार का संदेह न हो, इसके लिए शव को डैम के पास एक नाले में फेंक दिया। कुछ दिनों बाद मारडा डैम के समीप दुर्गंध आने की सूचना स्थानीय नागरिकों ने मारेगांव पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस को नाले में सड़ी-गली अवस्था में एक अज्ञात शव मिला। जांच के दौरान पुलिस ने शव की पहचान विनोद सहारे के रूप में की और मामले का खुलासा किया। घटना मारेगांव थाना क्षेत्र की होने के कारण मामले की जांच के लिए मारेगांव के थाना प्रभारी श्याम वानखेडे तथा यवतमाल स्थानीय अपराध शाखा ने तत्काल विशेष टीम गठित की। पुलिस ने तेजी से जांच करते हुए 6 जून की रात तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

कोस्टल रोड और दहिसर-भायंदर एलिवेटेड रोड परियोजनाओं के लिए 15,843 पेड़ों का होगा रोपण, बीएमसी देगी 12.81 करोड़

मुंबई : बीएमसी ने मुंबई कोस्टल रोड (नॉर्थ) और दहिसर-भायंदर एलिवेटेड रोड परियोजनाओं के तहत क्षतिपूरक वृक्षारोपण, पुनरोपण और संरक्षण कार्य के लिए महाराष्ट्र राज्य वन विकास महामंडल (एफडीसीएम) को तीसरी पक्ष एजेंसी नियुक्त करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस संबंध में 12 जून को होने वाली स्थायी समिति की बैठक में मंजूरी मांगी जाएगी। प्रस्ताव के अनुसार, बीएमसी एफडीसीएम को 12.81 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी। इस राशि से रायगढ़ जिले के पनवेल स्थित करंजाडे क्षेत्र में 15 हेक्टेयर भूमि पर 15,843 पेड़ों का रोपण किया जाएगा और

अगले सात वर्षों तक उनका रखरखाव एवं संरक्षण भी किया जाएगा। यह कार्य वृक्ष प्राधिकरण और पर्यावरणीय मंजूरियों की शर्तों के अनुरूप किया जाएगा। बीएमसी की महत्वाकांक्षी मुंबई कोस्टल रोड (नॉर्थ) परियोजना वसोर्वा से भायंदर तक प्रस्तावित है और इसे गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड से जोड़ा जाएगा। परियोजना को सात पैकेजों में विभाजित किया गया है। बीएमसी के अनुसार, परियोजना के मार्ग में आने वाले लगभग 9,904 पेड़ प्रभावित होंगे, जिसके बदले राज्य सरकार की क्षतिपूरक वृक्षारोपण नीति के तहत करीब 70,000 नए पेड़ लगाने की आवश्यकता होगी।

अमेरिकी कोर्ट ने रद्द की 1 लाख डॉलर की फीस

डोनाल्ड ट्रंप को लगा एक बड़ा झटका!

अमेरिका : अमेरिका में काम करने का सपना देख रहे लाखों भारतीयों के लिए एक बहुत ही शानदार गुड न्यूज सामने आई है। एक अमेरिकी फेडरल जज ने ट्रंप प्रशासन के नए एच-1बी वीजा पर लगाई गई 1 लाख डॉलर (करीब 96 लाख रुपए) की भारी-भरकम फीस को पूरी तरह रद्द कर दिया है। यह बड़ा फैसला डोनाल्ड ट्रंप और उनकी सरकार के लिए एक बहुत बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक झटका माना जा रहा है।

अमेरिका के डिस्ट्रिक्ट जज रिचर्ड स्टर्न्स ने सोमवार 8 जून को यह बेहद अहम और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सितंबर 2025 के एक राष्ट्रपति आदेश से लाई गई यह योजना शक्तियों के अलग-अलग होने के नियम का खुला उल्लंघन करती है। इस बड़े फैसले से हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों को बहुत भारी राहत मिलेगी जो वहां अपना करियर बनाना चाहते हैं।

जज स्टर्न्स का अहम फैसला

जज स्टर्न्स का यह फैसला 6 महीने बाद आया है जब वॉशिंगटन डी.सी. के एक फेडरल जज ने ट्रंप सरकार के पक्ष में अपना फैसला दिया था। वह पुराना मामला अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने दायर किया था जिसमें कहा गया था कि संसद ने फीस लगाने का अधिकार दिया है। लेकिन वह फैसला फरवरी में सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ वाले अहम फैसले से काफी पहले आया था जिसने बाद में स्टर्न्स के निर्णय को पूरी तरह से प्रभावित किया।

ट्रंप सरकार का बड़ा तर्क

डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि इस प्रोग्राम का भारी गलत इस्तेमाल होता है जिससे अमेरिकी कर्मचारियों को हटाकर कम वेतन पर विदेशी रखे जाते हैं। ट्रंप ने कहा था कि यह गलत इस्तेमाल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भारी खतरा है क्योंकि अमेरिकी विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र से दूर हो रहे हैं। इसी वजह से नए आवेदन पर 1 लाख डॉलर फीस लगाई गई थी जिससे शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे जरूरी क्षेत्रों में कर्मचारियों की कमी बहुत बढ़ गई थी।

737 भारतीय जाएंगे पाकिस्तान, शहबाज सरकार ने जारी कर दिया वीजा, ये है खास वजह...

पाकिस्तान : पाकिस्तान में पांचवें सिख गुरु अर्जुन देव के शहीदी दिवस को लेकर आयोजित होने वाले वार्षिक उत्सव में शामिल होने के इच्छुक भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए अच्छी खबर है. पाकिस्तान उच्चायोग ने 737 भारतीय तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किए हैं. एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई. सालाना उत्सव 10 से 19 जून तक आयोजित किया जाएगा.

पवित्र तीर्थस्थलों में टेक सकेंगे मत्था...

नयी दिल्ली स्थित पाक उच्चायोग ने सोमवार (8 जून) को जारी बयान में यह घोषणा की. बयान के मुताबिक, पाकिस्तान उच्चायोग ने भारत से आने वाले 737 तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान में 10 से 19 जून तक आयोजित होने वाले वार्षिक उत्सव में भाग लेने के लिए वीजा जारी किए हैं.तीर्थयात्री इस यात्रा के दौरान गुरुद्वारा पंजा साहिब, गुरुद्वारा ननकाना साहिब और गुरुद्वारा करतारपुर साहिब सहित अन्य तीर्थस्थलों में मत्था टेकेंगे.

पाक उच्चायुक्त ने दीं शुभकामनाएं

भारत में पाकिस्तान के कार्यवाहक उच्चायुक्त साद अहमद वाराइच तीर्थयात्रियों को सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं. भारतीय श्रद्धालुओं को वीजा जारी करना 1974 के धार्मिक स्थलों की यात्रा संबंधी द्विपक्षीय प्रोटोकॉल को पूरी तरह से लागू करने की पाकिस्तान सरकार की जिम्मेदारी के अनुरूप है.

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को मिले 541 सिख तीर्थयात्रियों के वीजा

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को 541 सिख तीर्थयात्रियों के वीजा मिले हैं, जो पांचवें सिख गुरु अर्जन देव की शहादत की वर्षगांठ के मौके पर ऐतिहासिक सिख तीर्थस्थलों पर दर्शन करने के लिए पाकिस्तान की यात्रा करेंगे.

10 जून को रवाना होगा तीर्थयात्रियों का जत्था

एसजीपीसी की धर्म प्रचार समिति के सचिव गुरिंदर सिंह मथरेवाल ने सोमवार (8 जून) को यहां बताया कि सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था ने 561 तीर्थयात्रियों के पासपोर्ट नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में जमा कर दिए हैं. तीर्थयात्रियों का जत्था बुधवार को एसजीपीसी मुख्यालय से रवाना होगा. मथरेवाल ने कहा कि जिन तीर्थयात्रियों के वीजा स्वीकृत हो गए हैं, उन्हें 9 जून को कार्यालयीन समय के दौरान एसजीपीसी कार्यालय से अपने पासपोर्ट प्राप्त कर लेने चाहिए.

सोनिया हत्याकांड का खुलासा, 10 साल की बेटी ने खोला राज, पति, चाचा, मामा गिरफ्तार...

गाजियाबाद : उत्तर प्रदेश की गाजियाबाद पुलिस ने जनवरी में हुए सोनिया हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा किया है. जिसमें उसके पति और उसके भाई के साथ ही पति के मामा को गिरफ्तार किया है. घर में हत्या करने के बाद आरोपी लाश मुजफ्फरनगर ले गए थे, जहां शव को ठिकाने लगाने में मामा ने मदद की थी. इस हत्याकांड का खुलासा करने में मृतका की बेटी का अहम रोल रहा, उसने ही पुलिस को मां की हत्या का राज बताया.

हत्या की वजह पत्नी पर आरोपी को शक था कि वह उसकी हत्या कर ड्रम में बंद करे देगी. जिसके बाद उसने पत्नी को ठिकाने लगाने का प्लान बनाया और मौका मिलते ही जनवरी में उसे मौत के घाट उतारकर ठिकाने लगा दिया.

क्या है पूरा मामला ?

जानकारी के मुताबिक,परविन्दर और सोनिया की शादी 12 साल पहले हुई थी. दोनों को दो बेटियां है.परविंदर ने पुलिस पूछताछ में बताया है कि सोनिया गुस्सैल थी और छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा करती थी. इसी दौरान एक बार झगड़ा करके मायके चली गई और वहां उसके और उसके परिवार के खिलाफ दहेज का मुकदमा लिखवा दिया. इससे डर कर राजीनामा हो गया और वह सोनिया को ले आया. सोनिया की जिद थी कि वह गांव में नहीं रहेगी इसको लेकर वह अपने भाई के घर में रहने लगा. इसके बावजूद सोनिया और परविंदर का झगड़ा लगातार चलता रहा. परविंदर ने पुलिस पूछताछ में बताया कि एक दिन जब सोनिया बच्चों को पीट रही थी तो उसकी मां ने इसका विरोध किया तो सोनिया ने उसकी मां के साथ भी मारपीट कर दी.शाम को परविंदर जब घर पहुंचा उसने इस पर अप्पति करी तो सोनिया ने परविंदर को भी चाटै जड़ दिए.साथ ही सोनिया अपने पति को अक्सर जान से मारने की धमकी भी दिया करती थी.

लंदन में भारतीय मूल के दंपती बेटे समेत बिल्डिंग से गिरे, हत्या या आत्महत्या का अंदेशा...

लंदन : भारतीय मूल के एक दंपती और उनके गंभीर रूप से बीमार 9 वर्षीय बेटे की लंदन के एक लग्जरी अपार्टमेंट से गिरने से मौत हो गई। एक पूरे परिवार को खत्म कर देने वाली इस दर्दनाक घटना की जांच जारी है जिसके हत्या या आत्महत्या होने का अंदेशा है। ब्रिटिश अखबार टेलीग्राफ के अनुसार, 47 वर्षीय राकेश पाई, 46 वर्षीय अदिति पारालकर और उनके बेटे सिड ने 27 मई को हाईपाइंट टावर ब्लाक की 36वीं मंजिल से गिरने के बाद अपनी जान गंवाई।

45 मंजिला इमारत पर रहता था परिवार

बता दें कि यह अपार्टमेंट दक्षिण लंदन के एलेफेंट और कैसल में स्थित है। परिवार 45 मंजिला इमारत के 36वें मंजिल पर रहता था, जो जमीन से लगभग 400 फीट ऊंचाई पर है। भारत में जन्मे पाई और पारालकर क्रमशः वित्त और निर्माण क्षेत्र में सलाहकार के रूप में काम करते थे। दंपती 2020 में बीमार बेटे का उपचार भारत कराने गए थे, लेकिन जब वह ठीक नहीं हुआ, तो पिछले वर्ष वे ब्रिटेन लौट आए। बर्मंडसेई और ओल्ड साउथवार्क के लेबर सांसद नील कायल ने कहा कि सिड गंभीर बीमारियों के साथ पैदा हुआ था और पुलिस का मानना है कि उसकी स्थिति ने उनके भयानक निर्णय में योगदान दिया। आपातकालीन सेवाओं ने परिवार को मृत हालत में तब पाया जब गवाहों ने सुबह 7:29 बजे रिपोर्ट किया कि लोगों का एक समूह ऊंचाई से गिर गया है। अमेरिकी सांसद कायल ने इमारत के निवासियों को एक पत्र में कहा कि ये मौतें ह्रभयानक घटनाह्व थीं और यह भी जोड़ा कि सिड को किडनी की बीमारी होने का संदेह था। उन्होंने कहा कि यह एक भयानक त्रासदी है, तीन लोगों का एक परिवार। बस भयानक। कुछ नागरिकों ने इसे होते हुए देखा। अधिकारियों ने इस घटना के चारों ओर की परिस्थितियों की जांच जारी रखी है। जांच के बाद ही स्पष्ट रूप से पता चलेगा कि वास्तव में क्या हुआ था।

'मैं ब्रांड्स नहीं खरीदती'

मुंबई : श्वेता तिवारी एक बार फिर अपनी सादगी को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने यूट्यूब व्लॉग में अपने बैग में रखी जरूरी चीजों की झलक दिखाई और अपनी लाइफस्टाइल से जुड़े कई दिलचस्प खुलासे किए। उन्होंने कहा, 'मैं ब्रांड्स नहीं खरीदती, मुझे ये यूजलेस लगता है। ब्रांडेड चीजें भले ही लंबे समय तक चलती हों, लेकिन हमें खुद उन्हें इतने लंबे समय तक इस्तेमाल नहीं करना होता। कुछ महीनों या छह महीने बाद ही हम उनसे बोर हो जाते हैं। मैं किसी को जज नहीं कर रही, ये मेरी पर्सनल चॉइस है, लेकिन मैं ब्रांड्स पर ज्यादा पैसा इन्वेस्ट नहीं करती।' श्वेता ने यह भी बताया कि उन्हें किताबें पढ़ना बेहद पसंद है और यात्रा के दौरान वह हमेशा अपने साथ कोई न कोई किताब रखती हैं। उन्होंने अपने बैग में मौजूद मेकअप का सामान, लिप बाम, हैंड क्रीम और अन्य जरूरी वस्तुएं भी दिखाईं। खास बात यह रही कि वह अपना मेकअप एक साधारण से पाउच में रखती हैं, जिसकी कीमत महज ५ रुपए है।

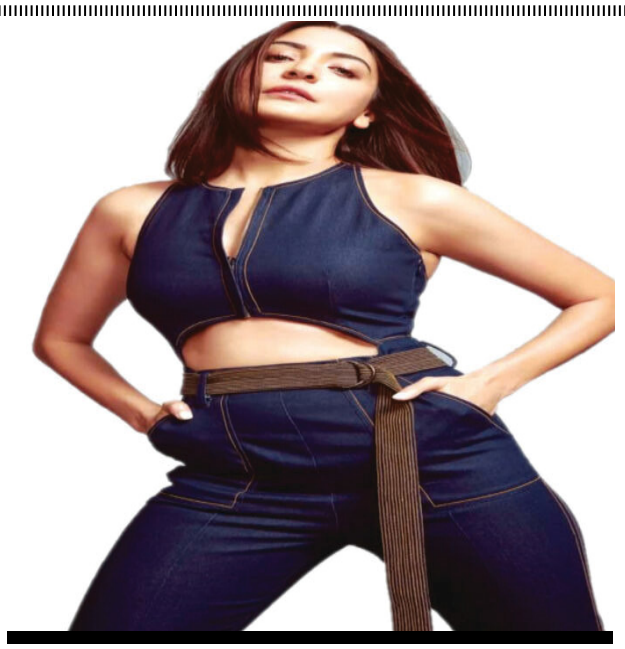

'अनकम्फर्टेबल' हो जाती थी

मुंबई : अनुष्का शर्मा इन दिनों अपने एक पुराने इंटरव्यू को लेकर चर्चा में हैं। फिल्मों से दूरी बनाने के बावजूद अनुष्का अक्सर अपने बेबाक बयानों के कारण सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उनका और रणवीर सिंह का साल २०११ में रिलीज हुई फिल्म 'लेडीज वर्सेस रिकी बहल' के प्रमोशन के दौरान का एक वीडियो फिर से वायरल हो गया है। इस वीडियो में अनुष्का ने अपनी डेटिंग लाइफ से जुड़ा दिलचस्प खुलासा किया था। उन्होंने बताया कि 'मुझे ये गिफ्ट का फंडा बहुत बेवकूफी भरा लगता है। असल में, जब भी कोई लड़का मुझे गिफ्ट देता था, तो मैं बहुत अनकम्फर्टेबल हो जाती थी। पहले तो मैं गिफ्ट लेती नहीं थी, लेकिन अगर ले भी लेती थी, तो इतनी सस्ती हरकत करती थी कि मुझे उस गिफ्ट की कीमत पता चल जाती थी और फिर मैं उस इंसान को उतनी ही कीमत या उससे ज्यादा कीमत की कोई चीज गिफ्ट कर देती थी। अनुष्का ने आगे कहा, 'मैं कभी नहीं चाहती कि कोई लड़का कहे कि उसने मुझ पर पैसे खर्च किए। पैसे वाली यह चीज मुझमें है। मुझे हमेशा बिल बांटना पड़ता है। मैं किसी लड़के को पेमेंट करने नहीं दे सकती या तो मैं पेमेंट करूंगी या बिल बांटूंगी। मैं इन मामलों में बहुत क्लियर हूं।'

'एक्टिंग सीख लो'

मुंबई : 'शक्तिमान' में डॉक्टर जैकाल का यादगार किरदार निभाने वाले अभिनेता ललित परिमू ने हाल ही में स्टार किड्स और उनकी एक्टिंग को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। एक इंटरव्यू में जब उनसे जाह्नवी कपूर, अनन्या पांडे और शनाया कपूर जैसे स्टार किड्स की ट्रोलिंग पर सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ कहा कि उन्हें एक्टिंग सीखनी चाहिए। ललित परिमू का मानना है कि अभिनय एक कला है, जिसे सीखने और समझने के लिए समय और समर्पण की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि बड़े फिल्मी परिवारों से आने वाले कलाकारों में अक्सर सीखने की भूख कम देखने को मिलती है, जबकि संघर्ष करने वाले कलाकारों में यह जज्बा ज्यादा होता है। उन्होंने यह भी कहा कि एक्टिंग को केवल बिजनेस की तरह नहीं देखा जा सकता। इसके लिए अंदर से कलाकार बनना पड़ता है। ललित ने यह भी स्वीकार किया कि वह आज के नए कलाकारों का काम कम देखते हैं और अब भी राजेश खन्ना तथा दिलीप कुमार जैसे दिग्गजों की फिल्में देखना पसंद करते हैं।

वो अविस्मरणीय भूमिकाएं मेरी यादों में बसी रहेंगी!- मनोज बाजपेयी

मुंबई : मनोज बाजपेयी का जन्म बिहार के चंपारण में एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। दसवीं के बाद उन्हें अभिनय में रुचि हुई और वे दिल्ली आ गए। दिल्ली विश्वविद्यालय से पढ़ाई के बाद उन्होंने एनएसडी में दाखिले की कोशिश की, लेकिन चार बार असफल रहे। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और मुंबई जाकर फिल्म इंडस्ट्री में लगातार संघर्ष किया। शुरुआती दौर में उन्हें छोटे और सहायक रोल मिले। शाहरुख, सलमान और आमिर जैसे बड़े सितारों के बीच उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। महेश भट्ट की 'स्वाभिमान' और रामगोपाल वर्मा की 'सत्या' ने उन्हें पहचान दिलाई। बिना ग्लैमर और स्टार लुक के भी उन्होंने दमदार अभिनय से जगह बनाई। आज वे पद्म श्री और कई राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं और भारतीय सिनेमा के बेहतरीन अभिनेताओं में गिने जाते हैं। फिलहाल, चिन्मय मंडलेकर द्वारा निर्देशित और विपुल शाह द्वारा निर्मित फिल्म 'गवर्नर' में मनोज रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर वेंकिटरमनन का किरदार निभा रहे हैं। यह एक बायोपिक फिल्म है। पेश हैं, मनोज बाजपेयी से पूजा सामंत की हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर एस. वेंकिटरमनन द्वारा १९९० में उठाए गए साहसिक और जोखिम भरे कदम पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है? मैं उनके उस कदम को केवल साहस नहीं कहूंगा, वह उस समय की आर्थिक मजबूरी भी थी। वेंकिटरमनन को पता था कि हालात बेहद गंभीर हैं और विकल्प सीमित हैं। जैसे घर में नकदी खत्म होने पर लोग गहने बेचते हैं, वैसे ही देश को संकट से निकालने के लिए निर्णय लेना पड़ा। आरबीआई गवर्नर ने कठिन परिस्थितियों में जोखिम उठाया और मनमोहन सिंह की सलाह भी ली। बिना ज्यादा प्रचार के सोना विदेश भेजना बड़ा फैसला था। उस समय विरोध भी हुआ, लेकिन यह कदम आर्थिक संकट से उबरने के लिए जरूरी साबित हुआ और बाद में सही माना गया।

हां, मुझे उस पर काम करना पड़ा, लेकिन मुख्य रूप से हमें इस बात पर ध्यान देना था कि हम हिंदी दर्शकों के लिए फिल्म बना रहे हैं। लेकिन ऐसे कई लोग हैं जो यह भाषा बोलते हैं और उन्हें इस पर गर्व है।

जेलर 2 में शाह रुख खान को इस एक्टर ने किया रिप्लेस, 40 साल बाद रजनीकांत के साथ शेयर करेगा स्क्रीन

'जेलर 2' को लेकर फैंस में दिलचस्पी बढ़ती ही जा रही है। रजनीकांत की इस मचअवेटेड फिल्म के सीक्वल के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। सबसे ज्यादा फोकस फिल्म के कैमियो रोल के लिए है। इसको लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं। पहले खबर थी कि शाह रुख खान इसमें स्पेशल कैमियो करते नजर आएंगे। हालांकि किंग में बिजी होने की वजह से शाह रुख ने इससे अपना पल्ला झाड़ लिया है। अब खबरें हैं कि ऋतिक रोशन इसमें एक अहम कैमियो रोल निभाते नजर आएंगे। कास्टिंग से जुड़ी यह जानकारी तब सामने आई है जब शाह रुख खान ने अपने व्यस्त शेड्यूल और आने वाली फिल्म 'किंग' के लिए पहले से तय कामों की वजह से इस प्रोजेक्ट से हटने का फैसला किया।

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार ऋतिक को अब इसके लिए लॉक किया गया है। एक्टर 22 से 23 जून के बीच शूटिंग शुरू कर सकते हैं। ऋतिक के रोल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन कहा जा रहा है कि एक्टर का इसमें एक्सटेंडेड कैमियो होगा। उनका किरदार कहानी में एक ऐसे मोड़ पर एंट्री मारेगा, जो रजनीकांत के किरदार 'टाइगर मुथुवेल पांडियन' की कहानी को आगे बढ़ाने में एक जरूरी भूमिका निभाएगा।

पावणे एमआईडीसी की खदान में गैर-कानूनी मिट्टी और गाद डालने के मामले में दो डंपर चालक गिरफ्तार

नवी मुंबई : तुर्भे पुलिस ने पावणे एमआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में एक बंद खदान में गैर-कानूनी तरीके से मिट्टी और गाद डालने के आरोप में दो डंपर चालक और कई अज्ञात वाहन मालिकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायत नेरुल के सरसोले निवासी और क्लर्क रोशन रमन म्हात्रे (36) ने दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि यह घटना 9 जून को दोपहर करीब 1.30 बजे हुई, जब पावणे एमआईडीसी में कई इंडस्ट्रियल यूनिट्स के ऊपर पहाड़ी पर स्थित पुरानी पत्थर की खदान में बड़ी मात्रा में मिट्टी और गाद डाली गई। आरोपियों ने बिना किसी अनुमति के यह कार्य किया। पुलिस के अनुसार, खदान में डाली गई मिट्टी और गाद ढलान के माध्यम से नीचे की ओर बह गई, जिससे आसपास की फैक्ट्रियों के कर्मचारियों और संचालकों में चिंता पैदा हो गई। प्रभावित इंडस्ट्रियल परिसरों में आर्क एंड फ्यूजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, आरके इंडस्ट्रीज, हेक्सेगीज प्राइवेट लिमिटेड और प्लॉट सी-36 और सी-108 शामिल हैं। प्राथमिकी में कहा गया है कि यह गैर-कानूनी गतिविधि केवल संपत्ति और पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाती, बल्कि कर्मचारियों

की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करती है। ढलान से नीचे बहती मिट्टी और गाद आसपास के फैक्ट्रियों में काम करने वाले लोगों के लिए दुर्घटना का कारण बन सकती थी।

तुर्भे पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। साथ ही, जांच में कई अज्ञात वाहन मालिकों की भी पहचान करने की कोशिश की जा रही है, जिनके डंपर इस अवैध कार्य में शामिल थे। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि पावणे एमआईडीसी में इंडस्ट्रियल और औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। खदानों और ढलानों में बिना अनुमति कचरा, मिट्टी या गाद डालना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि कार्यस्थल की सुरक्षा और पर्यावरण को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

रोशन रमन म्हात्रे ने बताया कि उसने यह शिकायत इसलिए दर्ज कराई क्योंकि खदान में डालने से फैक्ट्रियों के कर्मचारियों के जीवन और कार्यस्थल की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। इसके अलावा, आसपास की इंडस्ट्रियल इकाइयों में काम करने वाले लोग लगातार चिंता में हैं कि इस तरह की गैर-कानूनी गतिविधि दोबारा हो सकती है। पुलिस अधिकारी आगे कह रहे हैं कि मामले की गहन जांच जारी है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के अलावा यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि भविष्य में पावणे एमआईडीसी में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। अधिकारियों ने इंडस्ट्रियल यूनिट्स और स्थानीय समुदाय से भी सहयोग की अपील की है ताकि क्षेत्र में सुरक्षा और नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। इस घटना ने इंडस्ट्रियल क्षेत्र में पर्यावरणीय और सुरक्षा नियमों के पालन की आवश्यकता को फिर से उजागर किया है।

मुंबई : पनवेल में हाई-लेवल समीक्षा बैठक...
नागरिक मुद्दों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा

पनवेल : पनवेल नगर निगम मुख्यालय में कोंकण डिविजनल कमिश्नर रुबल अग्रवाल की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नगर निगम क्षेत्र में चल रही और आगामी परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। विशेष रूप से वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन , आगामी जनगणना की तैयारियों, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, कंस्ट्रक्शन और डिमोलिशन वेस्ट मैनेजमेंट और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स की स्थिति पर विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में पनवेल नगर निगम कमिश्नर मंगेश चितले, मेयर नितिन पाटिल, डिप्टी मेयर प्रमिला पाटिल, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन बबन मुकदम और महिला एवं बाल

कल्याण समिति की चेयरपर्सन ममता म्हात्रे भी मौजूद रहे। इन अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने डिविजनल कमिश्नर का स्वागत किया और नगर निगम क्षेत्र में नागरिकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाया। बैठक में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी और क्षेत्रीय प्रतिनिधियों ने विभिन्न प्रोजेक्ट्स की वर्तमान स्थिति और चुनौतियों पर विस्तार से जानकारी दी। मेयर नितिन पाटिल और कमिश्नर मंगेश चितले ने डिविजनल कमिश्नर को पनवेल में पानी की आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं और उनकी सुधार योजनाओं के बारे में भी अवगत कराया। अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न जलाशयों और सप्लाई पाइपलाइन की मरम्मत, ट्रीटमेंट यूनिट्स का उन्नयन और जल संरक्षण उपायों पर काम चल रहा है, ताकि नागरिकों को निरंतर और पर्याप्त पानी मिल सके।

डिविजनल कमिश्नर रुबल अग्रवाल ने अधिकारियों और प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं की समयबद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुविधा और नगर की साफ-सफाई प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक का समापन एक सकारात्मक नोट पर हुआ, जिसमें अधिकारियों ने आगामी कार्यों के लिए रोडमैप तैयार किया और हर विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस बैठक से यह स्पष्ट हुआ कि पनवेल नगर निगम नागरिकों की समस्याओं के समाधान और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है।

शहर में 10% पानी कटौती के बीच झीलों का जलस्तर गिरा

मुंबई : शहर में पहले से लागू 10 प्रतिशत पानी की कटौती के बीच अब जल संकट की चिंता और गहरा गई है। लोग जहां बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं शहर की सात प्रमुख झीलों में पानी का कुल भंडार लगातार घटकर चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। 10 जून तक झीलों में कुल जल स्टॉक 1.80 लाख मिलियन लीटर दर्ज किया गया, जो उनकी कुल क्षमता का मात्र 12.49 प्रतिशत है। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, सबसे गंभीर स्थिति अपर वैतरणा झील की है, जहां उपयोग योग्य पानी का भंडार पूरी तरह समाप्त हो चुका है। अब यह झील केवल रिजर्व स्टॉक के सहारे ही बनी हुई है। इससे पानी की आपूर्ति व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है।

तानसा झील, जो शहर को प्रतिदिन लगभग 440 एमएल पानी की आपूर्ति करती है, में भी स्थिति चिंताजनक है। यहां अब कुल क्षमता का केवल 7 प्रतिशत पानी बचा है। इसी तरह मिडिल वैतरणा में लगभग 15 प्रतिशत और भातसा में करीब 11 प्रतिशत जल भंडार शेष है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि सभी प्रमुख जल स्रोतों में पानी का स्तर लगातार गिर रहा है। अन्य झीलों में भी जल स्तर सामान्य से काफी नीचे पहुंच चुका है, जिससे आने वाले दिनों में पानी की आपूर्ति पर और अधिक असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। शहर में पहले से ही लागू 10 प्रतिशत पानी कटौती के कारण नागरिकों को सीमित आपूर्ति का सामना करना पड़ रहा है, और अब स्थिति और कठिन हो सकती है यदि मानसून में देरी होती है।

हालांकि, नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार जलाशयों की स्थिति थोड़ी बेहतर है। पिछले साल इसी समय कुल जल स्टॉक लगभग 10 प्रतिशत के आसपास था, जबकि इस वर्ष यह 12.49 प्रतिशत है। अधिकारियों के अनुसार यह थोड़ा बेहतर स्तर संभावित देरी वाले मानसून के दौरान कुछ राहत प्रदान कर सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मौजूदा स्थिति निश्चित रूप से चिंताजनक है, लेकिन उपलब्ध जल भंडार अभी कुछ हद तक शहर की जरूरतों को पूरा करने में सहायक हो सकता है।

बीड : नाव पलटने से 2 महिलाओं की मौत !
कई यात्रियों के घायल होने की खबर...

बीड : ज़िले में पुरुषोत्तमपुरी में चल रहे धार्मिक उत्सव के दौरान बुधवार को एक दुखद हादसा हुआ, जब गोदावरी नदी में 35 से ज्यादा तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक नाव पलट गई। यह घटना तब हुई जब भगवान पुरुषोत्तम के ऐतिहासिक मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए हुए थे। इस हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई और कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान 55 वर्षीय प्रमिला राठौड़ और 60 वर्षीय कांता अंधाले के तौर पर हुई है।

गंभीर रूप से घायल कई अन्य यात्रियों को पास के अस्पतालों में ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। ओवरलोडिंग और लापरवाही प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय अधिकारियों ने पुष्टि की कि इस हादसे का मुख्य कारण नाव में क्षमता से ज्यादा लोगों का सवार होना था। पवित्र समय के दौरान तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ का फायदा उठाते हुए, नाव संचालक ने ज्यादा यात्रियों को ले जाने के लिए समुद्री सुरक्षा के बुनियादी नियमों का उल्लंघन किया। नाव अपनी अधिकतम क्षमता से कहीं ज्यादा भरी हुई थी और बीच नदी में उसका संतुलन बिगड़ गया। वजन का संतुलन बिगड़ने से नाव अस्थिर हो गई और पलट गई, जिससे तीन दर्जन से ज्यादा पुरुष, महिलाएं और बच्चे गहरे पानी में गिर गए।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com